

१९५८
०४०६०७
२०२१

class

पाठ-१६ व्यानिकाशा दुर्लभास

मीठिक

०१ लेक्कक का मन छास रो दीकाता है?

०२ समाचार पत्री में ठारी, दुर्लभी गोरी, तड़करी आदि अष्टवार के समाधार भृत्य देखकर लेक्कक का मन उद्धास्य ही बात है।

०३ नीचन के पाति लोरी की आखण को हिले जाती है?

०४ एसमीन की दृष्टिमानदृशी से मौहल्ले करने वाले लोग दूषक बोलते हैं और दृष्टिमानी दृष्टि बोलने वाले लोग युग्म कर लेते हैं। इसी कारण नीचन के पाति लोरी की आखण उल्लंघन जाती है।

०५ दूसा की जगता है कि दृष्टि में कोई दृष्टिमानदृश आद्यमी नहीं दृग्या?

०६ लोग एक हुसरे पर आशेप - प्रत्यारोप

लगा रहा है। यह सब हिन्दू का लेखकों की
नगरा के कि हिन्दू में कोई इमानदार
आदमी नहीं है गया है।

Q) कानून के प्रतिकारत का परेशान विषय क्या
होता है?

A) भारत धर्म कानून और धर्म के एक स्वयं
में मानता चला आ रहा है

Q) लेखक जैसे और कानून में किसे
अधिक मदरव दिया है और क्यों?

A) लेखक धर्म और कानून में धर्म
की सकृद ऊपर मानता है। इसका
कारण यह है कि कमिया भी तदकायदा
उठा लता।

Q)

लघु उत्तरीय प्रैम:

- 1) किसे धीर्घा नहीं हो वे लाभमहार
- 2) ३०-१) शर्म के धीर्घा धीर्घा बड़ी दिया ना सकता।
- 2) ३०-२) लेखक के द्व्यरूप के लकाप क्षेत्रे २५० मी जट न हो।
- ३०-३) लेखक के १०० मी वजाहे १०० मी गौठ न हो।
- ३) ३०-४) लेखक की सीधे और लेखक की उन्नास की छुराई वही हो तो कुरी मार दे?
- ३०-५) लेखक की सीधे और लेखक की उन्नास करनी छुराई तद्देशी वही उन्हें समझा न करा सकते हैं।

(ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)-

- बस रुक जाने पर लोग बस चालक को पीटने पर क्यों उतारू हो गए?
- लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

Ans 1 of dirgh prashn लोगों को इस बात का पता चल गया कि उस दिन से 2 दिन पहले इसी प्रकार एक बस को लूटा गया था। उनकी बस एक सुनसान स्थान पर अचानक खड़ी हो गई और कंडक्टर उतर कर चला गया। अब उन्हें लगा कि बस के लोग डाकुओं से मिले हैं। वह कंडक्टर डाकुओं को सूचना देने गया है। इस तरह उनकी मिलीभगत से बस को लूट लिया जाएगा। इसीलिए बस रुक जाने पर लोग बस कंडक्टर को पीटने पर उतारू हो गए।

Ans 2 लेखक इस बात को स्वीकार करते हैं कि उन्हें भी धोखा मिला है। अगर वह केवल इन्हीं बातों का ध्यान रखते तो सही ढंग से जी नहीं पाते। उन्होंने विपरीत सोच वह नकारात्मकता को छोड़कर हमेशा उम्मीद को बनाए रखा है। उन्हें विश्वास है कि हमारे मनीषियों और ऋषि मुनियों का देश कभी भी पूरी.....

अतिरिक्त शब्द

- 1) ईमानदारी को प्रिया करा पर्याय संग्रह जो वहाँ है
जो ईमानदारी को अच्छी तरफ पर्याय संग्रह समझा जा सकता है।
- 2) निम्न प्रवार के लोग कानून की कुटियों में जाए
उहाँसे भी लंकीय नहीं करते । उन्होंने जो लोग दृष्टिकोण है, वे लोग कानून की कुटियों में जाए उठाने में बांगोंच नहीं करते ।
- 3) पिछों प्रति सम्मान के आवना उजागर हीले हैं
परीपक्षी के प्रति सम्मान के आवना उजागर होते हैं।
- 4) लैखन की वित्ती शक्ति है,
लैखन की वील शक्ति है।
- 5) लैखन की वस्तु खाल कुई ।
लैखन की वस्तु खाल विजित रहना शक्ति है।
- 6) लैखन की वस्तु गंठन से वित्ती यह वहले छुड़ाया गया ।

लेखक की जीवन जहां से कीड़ आठ किमी दूर
पहले रहता हुआ है)

- 3) लेखक किसकी भाषा उन्होंने आधार पर
किया है? इसके लिए लेखक एवं लेखक की भाषा का विवरण दीजिए।
- 4) ऐसा विचार करें कि लेखक कौन है?